3

WOODS

हिंदी दर्पण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

हिंदी दर्पण–3

1. वंदना

(क) 1. ईश्वर का 2. ये दोनों 3. कवि के जीवन पथ पर **(ख)** धवल, थल, थल, दमक, मग, रथ **(ग)** 1. सूर्य के रूप में आपका ही तेज चमक रहा है। 2. लाखों तारे तेरा सच्चा शृंगार बनकर चमक रहे हैं। 3. तुम्हारी किरण चमक रही है। 4. मेरे जीवन में थोड़ा प्रकाश फैला देना। **(घ)** 1. ईश्वर की कीर्ति सफेद चाँदनी बनकर फैल रही है। 2. जग के प्रकाश का स्वामी सूर्य है। 3. कवि ईश्वर से अपने जीवन में थोड़ा प्रकाश फैला देने की प्रार्थना कर रहा है। 4. स्वयं करें। **भाषा की बात–(क)** 1. **सूर्य**–दिनकर, सूरज 2. **जग**–संसार, दुनिया 3. **जल**–पानी, नीर 4. **पथ**–रास्ता, मार्ग **(ख)** 1. यश 2. सजावट 3. रास्ता 4. मालिक 5. स्वच्छ **(ग)** 1. तारे 2. पथ 3. स्वामी 4. सूरज **(घ)** धीमा, काला, अपकीर्ति, अंधकार, सेवक, थल **(ङ)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

2. अपना-अपना स्वभाव

(क) 1. शांत और उदार 2. नदी 3. एक बिच्छू **(ख)** 1. 3 2. 7 3. 3 4. 7 5. 7 **(ग)** 1. महात्मा जी लोगों को ईश्वर-भक्ति, सदाचार और जीवों पर दया करने के उपदेश दिया करते थे। 2. बिच्छू को पानी में बहता देखकर महात्मा जी ने सोचा यह बिच्छू पानी में डूबकर मर जाएगा, मुझे इसे बचाना चाहिए। 3. महात्मा जी ने नदी में बहते हुए बिच्छू को कई बार निकाला परंतु हर बार बिच्छू उनके डंक मार देता था। यह देखकर शिष्य को आश्चर्य हुआ। 4. नदी से बाहर आकर महात्मा जी ने शिष्य से कहा–''वत्स! यह बिच्छू नीच जीव है। दूसरों को डंक मारना इसका स्वभाव है। मैं मनुष्य हूँ। दूसरों पर दया करना, उनकी सहायता करना और उनके कष्टों को दूर करना मनुष्य का सहज स्वभाव है। जब वह नीच जीव अपने स्वभाव को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, तो मैं मनुष्य होकर अपने उदार स्वभाव को कैसे छोड़ दूँ।'' **भाषा की बात–(क)** सामान्य, उपेक्षा, दु:ख, अपकीर्ति, दिवस, गुरु **(ख)** 1. आदत 2. ज़रूरत 3. मदद 4. तारीफ़ 5. किनारा **(ग)** 1. गाँव, कुटिया 2. महात्मा, नदी 3. बिच्छू, नदी 4. गुरु, शिष्य, सिर **करने की बारी**–स्वयं करें।

3. गुब्बारे में चीता

(क) 1. मैदान में 2. उनके हेडमास्टर ने 3. बलदेव ने 4. चीता 5. दरिया में **(ख)** 1. बलदेव ने लड़कों से 2. गुब्बारे वाले ने लोगों से **(ग)** 1. पिंजरे से निकलकर चीता गुब्बारे की ओर दौड़ा और गुब्बारे में चढ़ गया। 2. गुब्बारे पर चीते ने बलदेव को इसलिए चट नहीं किया क्योंकि उसे अपनी ही जान की फ़िक्र पड़ी हुई थी। 3. चीते के गिरने के बाद बलदेव को यह चिंता हुई, कि गुब्बारा उसे कहाँ लिए जा रहा है? 4. बलदेव ने गुब्बारे को नीचे उतारने के लिए गुब्बारे का मुँह खोलकर उसकी गैस निकाल दी। **भाषा की बात–(क)** आमोद, गज, गगन, इंसान, भूमि, मृत्यु **(ख)** 1. कोई, उसके 2. वह 3. यह 4. मेरा, तुम्हारा 5. हमें **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

4. मुफ़्त ही मुफ़्त

(क) 1. नारियल 2. एक मील 3. दो रुपये 4. नारियल के पेड़ से **(ख)** 1. भीखूभाई ने, स्वयं से 2. नारियल वाले ने, भीखूभाई से 3. भीखूभाई ने, दुकानदार से 4. भीखूभाई ने, दुकानदार से 5. दुकानदार ने, भीखूभाई से **(ग)** 1. भीखूभाई को नारियल खरीदने में पैसे खर्च करने में परेशानी

थी। 2. भीखूभाई मंडी नारियल खरीदने गए। 3. समुद्र तट पर नारियल की कई दुकानें थीं। 4. भीखूभाई पेड़ पर मुफ्त का नारियल तोड़ने के लिए चढ़े। **भाषा की बात–(क)** 1. मैं 2. में 3. में 4. मैं 5. में **(ख)** 1. नारियलवाला 2. दूधवाला 3. सब्जीवाला 4. फलवाला **(ग)** 1. बाज़ार 2. कंजूस 3. मंडी **(घ) दिन**–दिवस, वार **समुद्र**–सागर, जलधि **पेड़**–वृक्ष, तरु **पैर**–पाँव, चरण।

6. प्रकृति का संदेश

(क) 1. सिर 2. धैर्य 3. गहराई 4. सारा संसार 5. सोहन लाल द्विवेदी **(ख)** 1. पर्वत हमें भी ऊँचा बनने के लिए कहता है। 2. सागर मन में गहराई लाने के लिए कहता है। 3. तरंगें हमें मन में मीठी-मीठी कोमल उमंग भरने के लिए कहती हैं। 4. पृथ्वी कहती है, कि धैर्य को नहीं छोड़ना चाहिए। 5. नभ हमें फैलने के लिए कहता है। **(ग)** 1. पर्वत हमें भी ऊँचा बनने के लिए कहता है। 2. तरंगें हमें मन में मीठी-मीठी कोमल उमंग भरने के लिए कहती हैं। 3. धैर्य न छोड़ने के लिए पृथ्वी कहती है। 4. आकाश हमें फैलने के लिए कहता है। **भाषा की बात –(क)** लहराकर, लाओ, उमंग, संसार **(ख)** स्+आ+ग्+अ+र्+अ, त्+अ+र्+अ+ल्+अ, म्+अ+न्+अ, स्+इ+र्+अ, भ्+आ+र्+अ **(ग) पर्वत**–पहाड़, नग **शीश**–सिर, माथा **पृथ्वी**–भू, धरती **नभ**–आकाश, आसमान **सागर**–जलधि, समुद्र **(घ)** स्वयं करें। **(ङ)** पाद, नीचे, खट्टी, धरती **(च) संज्ञा**–1. भारत, निवासी 2. पृथ्वी, धैर्य 3. माता-पिता, सम्मान 4. संसार, प्रसिद्धि **सर्वनाम**–1. हम 2. हमें 3. हम 4. तुम **करने की बारी**–स्वयं करें।

7. शिक्षा

(क) 1. छोटे-बड़े घरों के 2. आशीर्वाद 3. कटु शब्दों से 4. दूसरों की तकलीफ़ **(ख)** 1. गुरु जी ने राजकुमार से 2. राजा ने राज कर्मचारियों से 3. राजकुमार ने राजा से 4. राजा ने गुरु जी से 5. राजकुमार ने गुरुजी से **(ग)** 1. शिक्षक के रूप में गुरु जी छोटे-बड़े घरों के बच्चों में भेद नहीं करते थे। वे सबको समान प्यार देते थे। क्योंकि वे ऊँच-नीच में विश्वास नहीं करते थे। 2. राजकुमार को कटु शब्दों से अपमानित करने के पीछे गुरु जी की यह मंशा थी कि वह दूसरों की तकलीफ को अपनी तकलीफ समझे और राजा बनकर दूसरों को दंड देते समय उसे यह याद रहे कि अपमान भरे शब्द कितनी तकलीफ़ देते हैं। 3. राजकुमार के अपमान की बात सुनकर राजा ने अत्यधिक क्रोधित होकर गुरुजी को पकड़कर लाने व उन्हें स्वयं दंड देने को कहा। 4. अंत में राजकुमार को इस बात का पछतावा हुआ कि गुरु जी की शिक्षा अर्थात् दूसरों की तकलीफ़ को अपनी तकलीफ़ समझने की शिक्षा के रहस्य को वह न समझ पाया। **भाषा की बात–(क) राजा**–नृप, सम्राट **बेटा**–पुत्र, वत्स **आँख**–नयन, नेत्र **सुबह**–प्रातः, भोर **गुरु**– शिक्षक, अध्यापक **(ख)** 1. अच्छाई 2. अज्ञानी 3. पुरस्कार 4. अमीर 5. दुःख **(ग)** 1. राजकुमारों, पुत्रों, किसानों, चेहरों, बातों, पंडितों, आश्रमों, शब्दों, भेदों, संदेशों **(घ)** राज, पछतावा, जोश, खुलेआम, कड़वा, काँप, विलुप्त, बर्ताव **(ङ)** पिता, बेटा, पंडिताइन, राजकुमारी, रानी, बच्ची, पुत्री **करने की बारी**–स्वयं करें।

8. बचत की आदत

(क) 1. लिपिक 2. साइकिल 3. एक हज़ार रुपये 4. साइकिल 5. चाचा **(ख)** 1. पापा ने प्रिया से 2. प्रिया ने मम्मी से 3. मम्मी ने प्रिया से 4. प्रिया ने पापा से **(ग)** 1. प्रिया के पिताजी ने घर के पास रबड़ के कुछ पेड़ लगाए थे। उन्होंने ये पेड़ अतिरिक्त आमदनी के लिए लगाए थे। 2. एक दिन प्रिया ने अपनी सहेली नेहा के पास नई साइकिल देखी, तो उसका मन भी साइकिल लेने को

हुआ। 3. जब प्रिया ने कहा ''मेरे पास मेरे द्वारा जमा किए एक हज़ार रुपये हैं। यदि पापा चाहें, तो चाचा जी के इलाज के लिए वे उन्हें ले सकते हैं। साइकिल तो बाद में भी खरीदी जा सकती है।'' तो यह सुनकर प्रिया के मम्मी-पापा को उस पर गर्व हुआ। 4. प्रिया के पिताजी ने पेड़ काटने का कार्य स्वयं इसलिए प्रारंभ कर दिया ताकि गोपी को पेड़ काटने के लिए दिए जाने वाले रुपयों की बचत होने लगे। 5. इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कठिन परिश्रम एवं बचत की आदत रखनी चाहिए। **भाषा की बात–(क) खिलौने**-बहुवचन **कार्यालय**-एकवचन **साइकिल**-एकवचन **रुपये**-बहुवचन **रबड़**- एकवचन **पापा**-एकवचन **बातें**-बहुवचन **बेटियाँ**-बहुवचन **(ख)** व्+ए+त्+अ+न्+अ, घ्+अ+र्+अ, द्+ऊ+ध्+अ, इ+ल्+आ+ज्+अ, द्+उ+क्+आ+न्+अ **(ग) संज्ञा**-1. प्रिया, माता-पिता 2. राहुल, पापा, रुपये 3. रिया, चाचा 4. ध्रुव, समझदारी, गर्व 5. सुहानी, शिक्षा **सर्वनाम**-1. उसकी 2. उसे 3. तुम्हारे 4. उन्हें 5. हमें **करने की बारी–**स्वयं करें।

9. पहाड़ पुरुषः दशरथ माँझी

(क) 1. पटना 2. गाँधी मैदान में 3. दशरथ माँझी का 4. पहाड़-पुरुष **(ख)** 1. 7 2. 3 3. 7 4. 7 5. 3 **(ग)** 1. जलसे के आयोजन का उद्देश्य दशरथ माँझी का सम्मान करना था। 2. खेत से लौटने के बाद दशरथ माँझी गाँव के समीप के पहाड़ को कुदाल से काटा करते थे। 3. दशरथ माँझी ने गाँववालों से एकजुट होकर श्रमदान करने तथा पहाड़ काटकर सड़क बनाने का आग्रह किया था। 4. गाँववाले जमकर उनका मज़ाक उड़ाया करते थे। 5. दशरथ माँझी को मुख्यमंत्री द्वारा 'पहाड़-पुरुष' का खिताब देते हुए पदक, प्रशस्ति-पत्र और नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। **भाषा की बात–(क)** निर्दोष, अभूतपूर्व, अनदेखा, अभय, अस्वस्थ, असहयोग, अनहोनी, निरादर **(ख)** आदर+पूर्वक, नगर+ईय, परिवार+इक, गंभीर+ता, विशाल+काय, शरीर+इक, धर्म+इक, शिक्षा+इक **(ग)** स्वयं करें। **(घ) फूल–** पुष्प, प्रसून **आँख–**नेत्र, नयन **पर्वत–**पहाड़, नग **पत्नी–**भार्या, दारा **पानी–**नीर, जल **करने की बारी–**स्वयं करें।

11. सरकस

(क) 1. बॉल 2. जोकर को 3. शेर को 4. जीवन **(ख)** 1. भीगी बिल्ली बनता 2. और उसमें ठनता। 3. आगे कब टिकता। 4. शहर में बिकता। **(ग)** 1. सरकस में जोकर करतब दिखाकर हँसाता है। 2. रिंग मास्टर के आगे शेर की हालत भीगी बिल्ली के समान हो जाती है। 3. जंगल के राजा को शहर में प्रदर्शन करने लायक बनाकर धन कमाया जाता है। 4. जीवन के सरकस में हम भी विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं, कोई हँसाता तो कोई रुलाता है। **भाषा की बात–(क)** दिखाते, हँसते, खोकर, नचाती, ठनता, जैसे, बिकता, अड़ाता **(ख)** 1. ख्+ए+ ल्+अ 2. ज्+ई+व्+अ+न्+अ 3. श्+ए+र्+अ 4. स्+अ+र्+अ+क्+अ+स्+अ **(ग)** पसंद, पहुँचा, मंगल, वहाँ, हँसाना, परंतु, लंबा, टाँग **(घ) हाथी–**गज, कुंजर **शेर–**वनराज, सिंह **वन–**जंगल, अरण्य **शिक्षक–**अध्यापक, प्राचार्य

12. राजा और साधु

(क) 1. पानी की 2. साधु ने 3. ये दोनों 4. राजपाट **(ख)** 1. 7 2. 3 3. 3 4. 7 5. 7 **(ग)** 1. राजा अपनी प्यास बुझाने के लिए कुएँ में कूद गया। 2. साधु ने अपना दुपट्टा घोड़े की कमर में बँधी पगड़ी के छोर से कसकर बाँधा और राजा को कुएँ से बाहर निकाल लिया। 3. राजा साधु को अधिक मान व समय दे रहा था। इसे रानी, राजकुमार, मंत्री व नौकर-चाकर अपनी उपेक्षा

समझकर साधु से नाराज़ हो गए। 4. साधु ने राजा के प्राण बचाए थे। इसलिए राजा उसका आभार मानकर उसे अपना राजपाट देना चाहता था। 5. इस पाठ से यह सीख मिलती है कि हमें उपकार करने वालों के साथ उपकार करना चाहिए। **भाषा की बात–(क)** 1. प्रत्यक्ष 2. भिखारी 3. परोपकारी 4. घुड़सवार **(ख) राजा**–नृप, नरेश **पानी**–जल, नीर **घोड़ा**–अश्व, घोटक **आँख**–चक्षु, नयन **आदमी**–नर, मानव **(ग)** रानी, गलत, खुश, चातुर्य, मालिक, अपकार **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

13. चिड़िया की बच्ची

(क) 1. कोठी 2. पिंजरा 3. नौकर ने **(ख)** 1. माधवदास ने चिड़िया से 2. चिड़िया ने माधवदास से 3. चिड़िया की माँ ने चिड़िया से 4. माधवदास ने चिड़िया से 5. चिड़िया ने माधवदास से **(ग)** 1. माधवदास ने चिड़िया से बगीचे में ही रुकने को इसलिए कहा क्योंकि वह उसे बहुत आकर्षक लगी। 2. चिड़ियाँ अपनी माँ को जानती थी, अपने भाई को जानती थी, सूरज को और उसकी धूप को जानती थी। घास, पानी और फूलों को जानती थी। 3. सेठ द्वारा बटन दबाने पर दूर कोठी के अंदर आवाज़ हुई, जिसे सुनकर एक नौकर झटपट भागकर बाहर आया। 4. नौकर के पंजे से बचने के बाद चिड़िया चीखकर चहचहाई और एकदम उड़ी। वह उड़ती हुई एक साँस में माँ के पास पहुँची और माँ की गोद में गिरकर सुबकने लगी 5. इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हमें अपरिचितों के सामने सावधान रहना चाहिए। **भाषा की बात–(क) बगीचा**–उपवन, बाग **फूल**–सुमन, पुष्प **बादल**–घन, जलद **सूरज**–सूर्य, दिनकर **हवा**– वायु, पवन **पानी**–जल, नीर **(ख)** सेठानी, नौकरानी, अध्यापिका, माता, रानी, बच्ची **(ग)** 1. चीं-चीं 2. भौं-भौं 3. कुहू-कुहू 4. टर्र-टर्र 5. काँव-काँव 6. में-में **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

14. स्वयं को पहचानो

(क) 1. भेड़ ने 2. ये दोनों 3. लोमड़ी 4. भेड़ों के बीच चरते शेरनी के बच्चे को **(ख)** 1. 3 2. 7 3. 7 4. 3 5. 7 **(ग)** 1. शेरनी के मरने के बाद शेरनी के बच्चे को एक भेड़ अपने झुंड में ले गई। 2. जब खरगोश भागता हुआ भेड़ के बच्चों के पास पहुँचा, तो वे सब डर गए। शेरनी का बच्चा भी उससे डरकर झाड़ियों में छिप गया। 3. भूखे शेर को भेड़ों के साथ चरते शेर को देखकर इसलिए आश्चर्य हुआ क्योंकि भेड़ें उससे डर नहीं रही थीं। 4. झाड़ियों में सोते शेर से दूसरे शेर ने कहा–''तुम शेर हो!'' **भाषा की बात–(क)** 1. शेरनी गर्भवती थी। 2. एक खरगोश बड़ी बड़ी छलाँगें मारता भागा जा रहा था। 3. शेरनी का बच्चा पास की झाड़ी में छिप गया। 4. शेर ने सोचा–पास में जाकर देखूँ, कि बात क्या है? 5. शेर ने पास आकर कहा-तुम शेर हो? **(ख) शेर**–सिंह, वनराज **पास**–निकट, नजदीक **माँ**–जननी, माता **बच्चा**–शिशु, नवजात **जंगल**–वन, अरण्य **(ग)** आसमान, लिखना, बूढ़ा, घटना, जीना, दूर **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

16. ज़िंदगी कैसे चलेगी

(क) 1. धूप को 2. डालियाँ 3. ये दोनों 4. ऑक्सीजन को 5. गंदी हवाएँ **(ख)** लहलहाने, चलेगी, बाँह, बाली, उपवन, हमारी **(ग)** 1. पेड़ हमें छाया देने के लिए खुद धूप सहते हैं। 2. ऑक्सीजन प्राण वायु होती है। 3. पेड़ हमारी कार्बनडाइ ऑक्साइड (गंदी हवा) खींच लेते हैं। 4. पेड़ बादलों को बुलाकर वर्षा करवाते हैं तथा धरती को सींचते हैं। 5. पेड़ ही हमें प्राण वायु ऑक्सीजन देते हैं। इसके अभाव में हम जीवित नहीं रह सकते। **भाषा की बात**–सूर्य, दिनकर,

बादल, घन, वृक्ष, विटप **(ख)** आकाश, छाँव, अशुद्ध, साफ, कभी-कभी, जोड़ना, अनावृष्टि, सूखा **(ग)** स्वयं करें। **(घ)** पेड़ों, हवाओं, डालियों, खेतों, बादलों, उपवनों **करने की बारी–**स्वयं करें।

17. जयपुर की सैर

(क) 1. रेल द्वारा 2. राजस्थान की 3. जलमहल 4. 1799 में **(ख)** 1. 7 2. 3 3. 3 4. 7 5. 3 **(ग)** 1. यह पत्र प्रियंका ने अपनी सखी नेहा को 25 अक्टूबर को जयपुर से लिखा। 2. आमेर का किला जयपुर से लगभग चौदह किलोमीटर की दूरी पर है। यह बहुत पुराना और बड़ा किला है। यह पहाड़ी पर बना है। किले में शीशमहल है। शीशमहल के पास ही देवी का मंदिर है। 3. जलमहल का निर्माण सवाई प्रताप सिंह ने आनंद-स्थल और आरामगाह के रूप में करवाया था। 4. क्योंकि जयपुर में अधिकांश घर और इमारतें गुलाबी रंग की हैं। 5. जयपुर के विशेष व्यंजन दाल-बाटी चूरमा और गट्टे की सब्ज़ी हैं। **भाषा की बात–(क)** विदेश, दिन, पराजय, घटाव, सूखा, एक **(ख)** लोकनृत्य, गुड़ियाघर, लोककला, चिड़ियाघर, लोकगीत, रसोईघर, लोकसंगीत, स्नानघर **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

18. तेनालीराम की चतुराई

(क) 1. गोबर 2. दरबार में 3. घास 4. राजा ने **(ख)** 1. 7 2. 7 3. 3 4. 3 **(ग)** 1. राजा ने तेनालीराम से 2. राजा ने तेनालीराम से 3. तेनालीराम ने राजा से 4. तेनालीराम ने राजा से **(घ)** 1. राजा ने यह कहकर तेनालीराम का मजाक उड़ाया, ''तेनालीराम, आप चाहे कितनी बार क्यों न धोएँ, अँगूठे की गंदगी जानेवाली नहीं। इससे तो अच्छा है, इसे काटकर ही फेंक दें।'' 2. तेनालीराम कई दिनों तक दरबार में इसलिए नहीं गए क्योंकि इस बीच उन्होंने एक गड्ढे में गोबर भरवाकर ऊपर से घास बिछवाई थी। फिर, उसके ऊपर गुलाब के पौधे लगवाए थे। 3. राजा के गड्ढे में गिरने पर जब तेनालीराम ने कहा कि मैं अभी तलवार लाता हूँ। आपके गरदन से नीचे के गंदे भाग को काटकर गोबर में ही छोड़ देता हूँ।'' तो तेनालीराम की इस बात पर राजा को क्रोध आ गया। 4. तेनालीराम ने राजा को चतुराई से अच्छा सबक सिखाया था। तेनालीराम की चतुराई से खुश होकर राजा ने उसे इनाम दिया। **भाषा की बात–(क)** आनंद, पास, केवल, भूमि, प्रयास, थोड़ा, स्वच्छ, चिंतनशीलता **(ख)** दूर, गंदा, इज़्ज़त, कुदरती, असहमत, प्रतिरोध **(ग)** स्थान, स्थानीय, स्वच्छ, लच्छा, श्वसुर, श्वान, न्यास, न्याय, तुम्हारा, किन्हीं **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

19. हमारे राष्ट्रीय त्योहार

(क) 1. तीन 2. दिल्ली 3. दिल्ली में 4. 26 जनवरी को **(ख)** 1. 7 2. 3 3. 3 4. 7 **(ग)** 1. हमारे देश में तीन प्रमुख राष्ट्रीय त्योहार मनाए जाते हैं, ये हैं–स्वंतत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गाँधी जयंती। 2. स्वतंत्रता दिवस प्रतिवर्ष 15 अगस्त को संपूर्ण भारत में बिना भेदभाव के, सभी लोगों द्वारा बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है। 3. 26 जनवरी, 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ। 4. गाँधीजी ने सत्य और अहिंसा के बल पर देश को स्वतंत्र कराया। **भाषा की बात–(क)** स्वयं करें। **(ख)** झंडे, किले, वीरों, मशालें **(ग) झंडा–**ध्वज, पताका **पुष्प–**फूल, सुमन **पशु–**जानवर, मवेशी **देश–**वतन, राष्ट्र **त्योहार–**पर्व, उत्सव। **करने की बारी–**स्वयं करें।